भाषा, लिपि और व्याकरण

(Language, Script and Grammar)

1

देखिए, पढ़िए और समझिए–

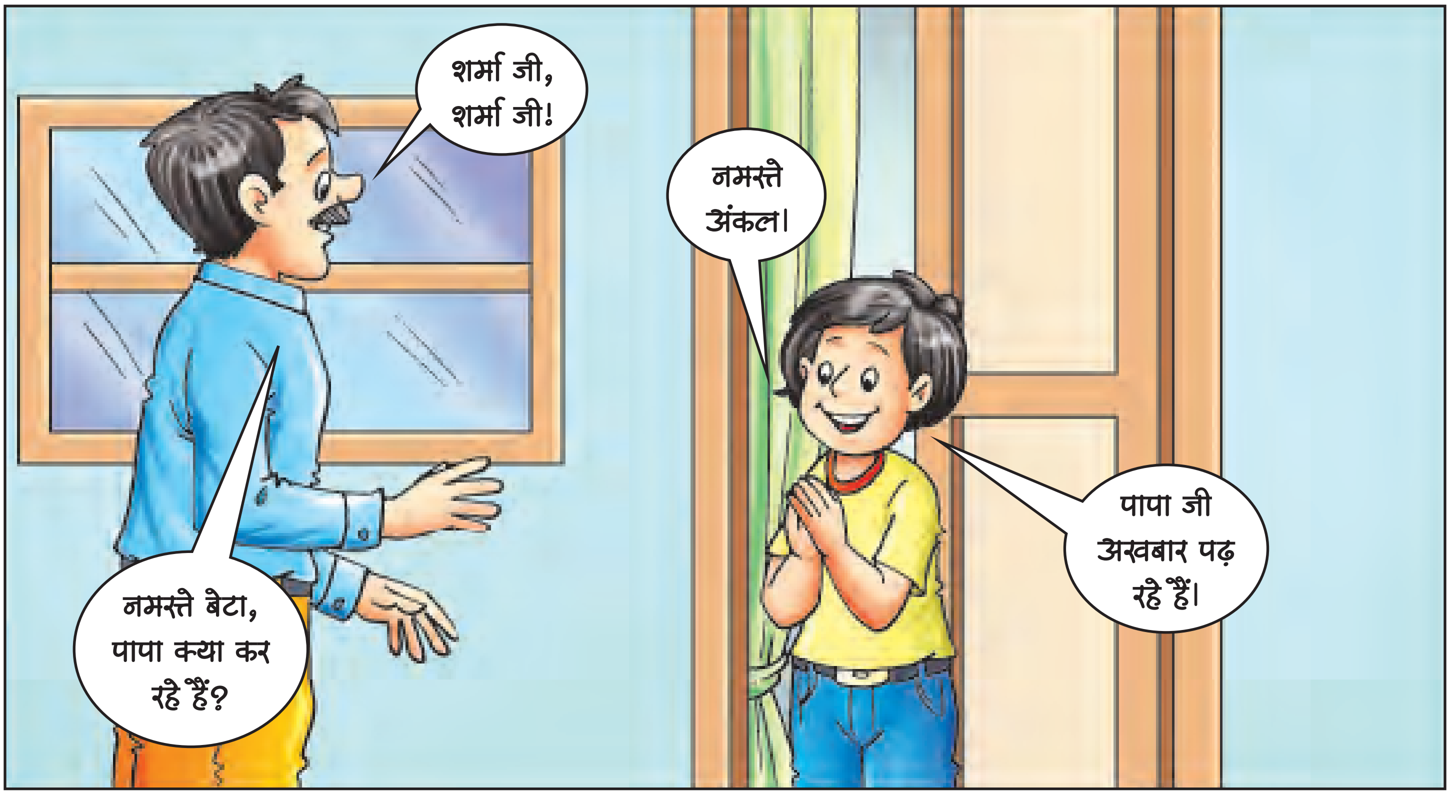

बच्चो! आपने देखा, ऊपर दिए गए चित्र में महाशय जी घर के दरवाज़े पर आवाज़ दे रहे हैं। शर्मा जी का बेटा, उनकी आवाज़ सुनकर आता है। महाशय जी उस बच्चे से उसके पापा के विषय में पूछ रहे हैं कि वह क्या कर रहे हैं। बच्चा बता रहा है कि वह अखबार पढ़ रहे हैं। अतः बोलकर, सुनकर, लिखकर तथा पढ़कर विचारों के जानने का यही साधन भाषा है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि–

वह साधन जिसके द्वारा बोलकर या लिखकर हम अपने विचार दूसरों तक पहुँचा सकते हैं और दूसरों के विचारों को सुनकर या पढ़कर समझ सकते हैं, उसे भाषा कहते हैं।

भाषा के रूप

भाषा के मुख्यतः दो रूप हैं–

1. मौखिक
2. लिखित

1. मौखिक भाषा

बोलना अर्थात् मौखिक रूप भाषा का पहला रूप है। इसमें बोलकर अपनी बात कही जाती है तथा सुनकर दूसरों की बात समझी जाती है।

भाषण

टेलीविज़न

टेलीफ़ोन

2. लिखित भाषा

लिखना अर्थात् लिखित रूप भाषा का दूसरा रूप है। इसमें अपनी बात लिखकर दूसरों तक पहुँचाई जाती है और दूसरे उसे पढ़कर समझते हैं।

पत्र

समाचार-पत्र

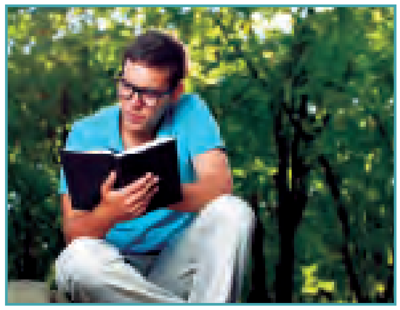
पुस्तक

संसार में अनेक भाषाएँ बोली, पढ़ी तथा लिखी जाती हैं। प्रत्येक देश की अपनी भाषा होती है; जैसे–

इंग्लैंड	–	अंग्रेज़ी
चीन	–	चीनी
फ्रांस	–	फ्रेंच

जापान	–	जापानी
रूस	–	रसियन
अमेरिका	–	अमेरिकन

याद रखिए

- अंग्रेजी अंतर्राष्ट्रीय भाषा है।

राष्ट्रभाषा

किसी राष्ट्र के अधिकांश व्यक्ति जिस भाषा को बोलते, पढ़ते तथा समझते हैं, वह उस राष्ट्र की राष्ट्रभाषा कहलाती है। हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश,

छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, राजस्थान, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश में हिंदी भाषा बोली जाती है।

इसके अतिरिक्त पंजाब में पंजाबी, गुजरात में गुजराती, महाराष्ट्र में मराठी, पश्चिम बंगाल में बांग्ला भाषाएँ बोली जाती हैं।

याद रखिए

- संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है।

लिपि

किसी भाषा को लिखने के लिए निर्धारित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं। सभी भाषाओं की अपनी-अपनी लिपि होती है; जैसे–

हिंदी, संस्कृत	–	देवनागरी
बांग्ला	–	बंगाली
अंग्रेज़ी	–	रोमन

पंजाबी	–	गुरुमुखी
उर्दू	–	फ़ारसी
अरबी	–	फ़ारसी

व्याकरण

भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, बोलना तथा पढ़ना सिखाने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है; जैसे–

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
नेहा गीत गा रहा है।	नेहा गीत गा रही है।
लड़कियाँ खेल रहा है।	लड़कियाँ खेल रही हैं।
लड़का पढ़ रही है।	लड़का पढ़ रहा है।

व्याकरण के विभाग

व्याकरण के तीन विभाग हैं–

वर्ण-विचार

इस विभाग में वर्णों की उत्पत्ति, उच्चारण आदि पर विचार किया जाता है।

शब्द-विचार

इस विभाग में शब्दों की उत्पत्ति, भेद आदि पर विचार किया जाता है।

वाक्य-विचार

इस विभाग में वाक्य-रचना, भेद, वाक्य के अंग आदि पर विचार किया जाता है।

आओ दोहराएँ

- वह साधन जिसके द्वारा बोलकर या लिखकर हम अपने विचार दूसरों तक पहुँचा सकते हैं और दूसरों के विचारों को सुनकर या पढ़कर समझ सकते हैं, उसे भाषा कहते हैं।
- भाषा के दो रूप होते हैं–मौखिक रूप तथा लिखित रूप।
- हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है।
- भाषा के लिखने के लिए विकसित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं।
- भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, बोलना तथा पढ़ना व्याकरण सिखाता है।

अब बताइए

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. विचार प्रकट करने के साधन को कहते हैं–

   (i) भाषा ☐ (ii) लिपि ☐ (iii) व्याकरण ☐

2. भाषा लिखने के चिह्नों को कहते हैं–

   (i) वर्ण ☐ (ii) लिपि ☐ (iii) व्याकरण ☐

3. रेडियो पर समाचार सुनना उदाहरण है–

   (i) मौखिक भाषा का ☐ (ii) लिखित भाषा का ☐ (iii) इन दोनों का ☐

4. हिंदी लिखी जाती है–

   (i) रोमन लिपि में ☐ (ii) फ़ारसी लिपि में ☐ (iii) देवनागरी लिपि में ☐

5. भाषा को शुद्ध रूप में बोलना, पढ़ना तथा लिखना सिखाता है–

   (i) पड़ोसी ☐ (ii) व्याकरण ☐ (iii) विज्ञान ☐

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. गीत गाना ………………… भाषा का उदाहरण है।
2. पुस्तक ………………… भाषा का उदाहरण है।
3. ………………… सभी भाषाओं की जननी है।
4. ………………… अंतर्राष्ट्रीय भाषा है।
5. हिंदी भारत की ………………… है।

(ग) सत्य कथन पर (✓) तथा असत्य पर (✗) लगाइए–

1. भाषा विचारों के आदान-प्रदान का साधन है। ☐
2. अखबार मौखिक भाषा के उदाहरण है। ☐
3. शब्दों के रूप तथा व्युत्पत्ति शब्द-विचार के अंतर्गत आते हैं। ☐
4. व्याकरण के सात अंग हैं। ☐

(घ) निम्नलिखित को सुमेल कीजिए–

1. हिंदी	(i) फ़ारसी
2. अंग्रेजी	(ii) देवनागरी
3. पंजाबी	(iii) रोमन
4. उर्दू	(iv) गुरुमुखी

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. भाषा किसे कहते हैं?
2. मौखिक भाषा किसे कहते हैं?
3. लिपि किसे कहते हैं?
4. व्याकरण किसे कहते हैं?
5. व्याकरण के अंग लिखिए।

(च) चित्रों को देखकर बताइए कि ये किस भाषा के उदाहरण हैं?

....	....	....	....